28/3/19 पत्रावली बमुकाम बालोतरा पेश हुई। दिनांक 30/11/18 को वकील श्री भंवरलाल विश्नोई ने एक वकालतनामा अपीलांट मूलसिंह की तरफ से पेश किया था जो आज पत्रावली में शामिल किया गया। कल दिनांक 27/3/19 को बमुकाम बाड़मेर अपीलांट के 2/6/18 के वकालतनामे से नियुक्त वकील श्री पुरुषोत्तम सोनी ने पेश किया एक प्रार्थना-पत्र। इस प्रार्थना-पत्र पर अपीलांट मूलसिंह के भी हस्ताक्षर हैं और इसमें निवेदन किया गया है कि - इन्तकाल नम्बर के मुकदमा में अपीलांट का रेस्पोण्डेन्टगण से "लोक अदालत की भावना" एवं मौजिज व्यक्तियों की समझाईश से राजीनामा हो चुका है, विवादित भूमि जरिये रजिस्टर्ड बख्शीशनामा से अपीलांट की पत्नी के पक्ष में हस्तांतरित कर दी है, इस कारण अब अपीलांट का रेस्पोण्डेन्टगण से कोई विवाद शेष नहीं है। अपीलांट एवं रेस्पोण्डेन्टगण के बीच राजीनामा होने से अपीलांट का अब कोई विवाद शेष नहीं रहा है और अपीलांट भविष्य में इसी विवाद को लेकर अपीलांट कोई चाराजोई किसी भी न्यायालय में नहीं करेगा, जिस प्रार्थना-पत्र पेश कर निवेदन है कि अपीलांट एवं रेस्पोण्डेन्टगण के बीच राजीनामा होने से अपीलांट द्वारा प्रस्तुत अपील जरिये विड्रोवल खारिज फरमाई जावे।

अपीलांट के वकील भंवरलाल विश्नोई का काफी इंतजार किया लेकिन उपस्थित नहीं हुए। अपीलांट मूलसिंह को इस संबंध में आज तारीख पेशी की जानकारी होते एवं राजीनामा/विड्रोवल प्रार्थना-पत्र बाबत कोई जानकारी श्री भंवरलाल विश्नोई को दी गई है और कोई आपत्ति भी हो तो पेश की जा सकती थी लिहाजा विड्रोवल प्रार्थना-पत्र आज स्वीकार किया जाना उचित है।

अपीलांट का प्रार्थना-पत्र उपरोक्त निबंधन कि भविष्य में इस अपील की विषय वस्तु को लेकर किसी न्यायालय में चाराजोई नहीं होगी, स्वीकार किया जाकर अपील जरिये विड्रोवल खारिज की जाती है। पत्रावली नतीजा मुकम्मल होकर दाखिल दफ्तर हो।

राजस्व अपील अधिकारी
बाड़मेर